वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 202 | गुरुवार 17 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

इंडिया के प्रचलित डिजाइन और हस्तशिल्प की मिली जानकारी

विदेश मंत्रालय के 'नो इंडिया' कार्यक्रम के तहत इंटरनेशनल डेलीगेशन का जयपुर दौरा

जयपुर. कासं

14 से अधिक देशों से आये 40 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने विदेश मंत्रालय की और से आयोजित 62वें 'नो इंडिया' कार्यक्रम के तहत आर्च कॉलेज ऑफ डिजाइन एंड बिजनेस का दौरा किया। अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को भारत में प्रचलित डिजाइन और हस्तशिल्प के विषय में जानकारी प्रदान करने के लिए आर्च कॉलेज में ये दौरा आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के छात्रों ने अंतरराष्ट्रीय अतिथियों के लिए कैंपस टूर, वर्कशॉप और इंटरेक्टिव सेशन आयोजित किए। छात्रों ने पूरे परिसर में प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन किया और कॉलेज के विभिन्न विभागों, आभूषण, इंटीरियर, फैशन और ग्राफिक्स के छात्रों द्वारा किए गए डिजाइन कार्य के बारे में बताया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने 'नो इंडिया' कार्यक्रम 2004 में शुरू किया था। ये कार्यक्रम विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के 18 से 30 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं को देश की संस्कृति, उपलब्धियों और विकास से परिचित कराने के उद्देश्य के साथ आयोजित किया जाता है। यह कार्यक्रम भारतीय मूल के छात्रों और

युवा प्रोफेशनल्स को भारत आने और अपने विचारों, अनुभवों और अपेक्षाओं को साझा करने और समकालीन भारत को जानने का एक अनूठा अवसर भी प्रदान करता है। आर्च कॉलेज ऑफ डिजाइन एंड बिजनेस के सहायक निदेशक मनन सुराना ने भी इन प्रतिनिधियों साथ एक इंटरैक्टिव सत्र किया। मनन ने उन्हें डिजाइन के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय भागीदारी, सहयोग, सदस्यता और परियोजनाओं के विषय में विस्तार से बताया। वार्तालाप के दौरान भारत में डिजाइन शिक्षा में रूप और सुधार और आर्च की भारत सरकार के साथ मिल कर किये जाने वाले कार्यक्रमों की भी चर्चा की गई। इस अवसर पर आर्च कॉलेज की संस्थापक अर्चना सुराना ने भी अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ बात की और पहली पीढ़ी के उद्यमी होने के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे डिजाइन जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और किसी व्यक्ति के अपनी मातृभूमि से संबंध के पीछे एक प्रमुख कारण हो सकता है। उन्होंने हर क्षेत्र में रचनात्मक पहलू और हर क्षेत्र को डिजाइन से कैसे जोड़ा जाता है, इस पर भी प्रकाश डाला।

डिजाइन शिक्षा के लिए भारत का रूख

सत्र के दौरान, इजराइल से आए शालोम बार लिनोर ने बताया कि उनका देश तकनीकी रूप से उन्नत है और उच्च शिक्षा में डिजाइन के मुख्यधारा के विषय के रूप में पढ़ाया जाता है। गुयाना की यमा सिंह ने कहा कि उनके देश में डिजाइन के क्षेत्र में कोई प्रमाणित उच्च स्नातक करने के अवसर नहीं हैं और इसलिए गुयाना के छात्र के लिए डिजाइन शिक्षा के लिए भारत का रुख कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने कॉलेज में आयोजित थेवा ज्वेलरी कार्यशाला सक्रिय रूप से भाग लिया और कास्टिंग और मॉडलिंग , ब्लॉक प्रिंटिंग, प्राकृतिक रंगाई, आभूषण तामचीनी, और हाथ बुनाई की तकनीकों को समझा। आर्च के विद्यार्थियों की रचनात्मकता देख कर प्रतिनिधियों ने सुखद आश्चर्य प्रकट किया। छात्रों के साथ बातचीत के दौरान, प्रतिनिधि यह जानकर बहुत प्रभावित हुए कि भारत में छात्र विभिन्न प्रोटोटाइप और उत्पादों को डिजाइन करने के लिए कई प्रकार की नवीनतम उपकरणों का उपयोग कर रहे हैं।

खराब एयर क्वालिटी के कारण बढ़ रहे सीओपीडी के मामले

जयपुर. कासं

देश में तेजी से बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण फेफड़ों की गंभीर बीमारी क्रॉनिक ऑबस्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के मामलों में बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। देश में होने वाले सीओपीडी के मामलों में 59.4 प्रतिशत केस वायु प्रदूषण के कारण हो रहे हैं। वहीं इसके बाद स्मोकिंग, सीओपीडी का सबसे बड़ा कारण है। करीब 21 प्रतिशत मामलों में स्मोकिंग कारण है। हर साल नवंबर माह में विश्व क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज डे (वर्ल्ड सीओपीडी डे) मनाया जाता है। इस मौके पर आयोजित जागरुकता कार्यक्रम में रुकमणी बिरला हॉस्पिटल के पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. राकेश गोदारा ने बताया कि सीओपीडी रोग का सबसे बड़ा कारण धूम्रपान व वायु प्रदूषण है। वहीं, जिन गांव-घरों में आज भी चूल्हे पर

खाना पकता है, वहां की ज्यादातर महिलाएं सीओपीडी की शिकार हैं। सीओपीडी के लक्षण 35- 40 साल की उम्र के बाद ही नजर आते हैं। क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज, जिसे आमतौर पर सीओपीडी के नाम से जाना जाता है। ये फेफड़ों की प्रोग्रेसिव डिजीज का एक समूह है। इसमें मरीज को लगतार खांसी, खांसी के साथ बलगम बनना, सांस फूलना इत्यादि लक्षण होते हैं।

राजस्थान में बढ़ने लगा सर्दी का असर

जयपुर. कासं। पहाड़ों पर बर्फबारी होने व पश्चिमी विक्षोभ का गुजर जाने के बाद राजस्थान में सर्दी का असर बढ़ रहा है। उत्तरी हवा के कारण रात के समय ठंड़ बढ़ गई है और तापमान में गिरावट आई है। बुधवार को प्रदेश में चार स्थानों पर रात का तापमान 11 डिग्री से नीचे चला गया। प्रदेश में सबसे कम तापमान फतेहपुर में 7.5 डिग्री दर्ज किया गया। लोग गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आए। ग्रामीण अंचल में तेज सर्दी से बचाव के लिए अलाव का सहारा लेना पड़ा। सुबह के समय कोहरा छाया रहा। दिन चढ़ने के साथ तेज सर्दी का असर कम हुआ। कुछ इलाकों में नमी ज्यादा होने के कारण धूप का असर भी कम रहा। वहीं जयपुर में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हुई है। एक दिन पहले यहां न्यूनतम तापमान 14.6 डिग्री था,

वह बुधवार को बढ़कर 17.4 डिग्री पहुंच गया। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के अनुसार एक पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने से मौसम साफ हो रहा है। जिससे प्रदेश के तापमान में गिरावट हो रही है। अगले 24 घंटे में दो से तीन डिग्री की गिरावट आएगी।

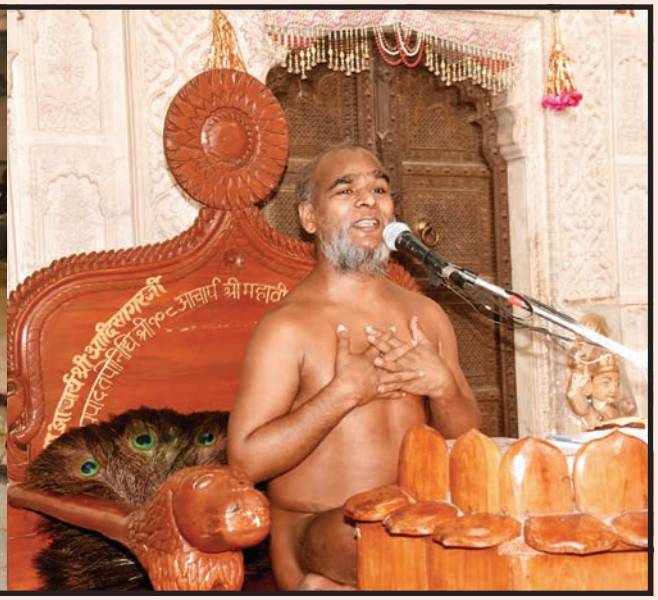

आचार्य श्री सुनील सागर महाराज के सानिध्य में शनिवार को बड़ी चौपड़ पर होगी विशाल धर्मसभा

शुक्रवार को महावीर स्कूल में होंगे मंगल प्रवचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान सरकार द्वारा राजकीय अतिथि घोषित आचार्य श्री सुनील सागर महाराज ने बुधवार को चौकड़ी मौदीखाना के दिगम्बर जैन मन्दिरों के सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ दर्शन किए।इस मौके पर रास्ते जयकारों से गुंजायमान हो उठे। समन्वयक कुशल ठोलिया, ओम प्रकाश काला 'मामाजी'ने बताया कि आचार्यश्री का प्रातः घी वालों का रास्ता जौहरी बाजार से मंगल विहार होकर चौकड़ी मौदीखाना में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। शहर के प्राचीन एवं विशाल मंदिरों के दर्शन कर आचार्य श्री ने पुरातत्व व प्राचीन शैली की बहुत प्रशंसा की। तत्पश्चात आचार्य श्री के घी वालों का रास्ता स्थित मंदिर जी ठोलिया में मंगल प्रवचन हुए। आचार्य श्री ने कहा कि संसार जरुरत के नियम पर चलता है।सही समय पर सही काम करनेवाले की इज्जत होती है अन्यथा लोग तिरस्कार कर देते हैं।पानी व अन्न का सम्मान करने वाला कुबेर के समान होता है। प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आचार्य श्री गुरुवार 17 नवम्बर को भी मंदिर दर्शन हेतु चौकडी मौदीखाना में आयेंगे। आचार्य श्री के सानिध्य में गुरुवार को सायंकाल 6 बजे मंदिर जी ठोलिया में विशाल महाआरती की जाएगी। रात्रि 7.15 बजे से मारुजी का चौक स्थित दिगम्बर जैन मंदिर मारुजी में विशाल भक्ति संध्या होगी जिसमें प्रसिद्ध पार्श्व गायिका नेहा जैन अपनी प्रस्तुति देगी। जैन के मुताबिक शुक्रवार, 18 नवम्बर को आचार्य श्री का प्रातः मंदिर जी ठोलिया से मंगल विहार होकर प्रातः 8.00 बजे सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल में मंगल प्रवेश होगा। जहां आचार्य श्री के मंगल आशीर्वचन होंगे। समन्वयक पुष्पा सोगानी ने बताया कि शनिवार, 19 नवम्बर को प्रातः 7.30 बजे बड़ी चौपड़ पर आचार्य श्री के सानिध्य में विशाल धर्मसभा होगी जिसमें जयपुर महानगर के महिला मण्डल, युवा मण्डल, जैन सोश्यल ग्रुप्स, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, मंदिर कमेटियों, दिगम्बर जैन महासमिति, राजस्थान जैन युवा महासभा के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण शामिल होंगे। विभिन्न कालोनियों से आने जाने के लिए बसों की निः शुल्क व्यवस्था की गई है।

आचार्यश्री ने किये चौकड़ी मौदीखाना के जैन मंदिरों के दर्शन

साधु के पैरों मे गृहस्थों के संकट से बचाने की शक्ति होती हैं: मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

अखिल भारतीय विद्वत सम्मेलन में हुआ खुला अधिवेशन

ललितपुर/ अशोक नगर. शाबाश इंडिया

जीवन मे उन अनसुलझी पहेलीयो को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं अच्छे लोगों कार्यों को सुलझाना पडता है बुरे कार्यों को जो उलझे हुए है उन्हें सुलझा लेते है। एक व्यक्ति को बहुत बचाने की कोशिश करता है फिर भी मारने वाला कोई रास्ता खोज लेता हैं। साधु के पैरों का ही गंधोधक क्यों लेते हैं साधु उसे से जीवों को बचाते है ।गृहस्थ को संकट आते है साथ उन्हीं पैरो से जीवों को बचाने के कारण संभलकर चलते हैं। पैर जीवों को बचाने वाला हैं उसी से गृहस्थों के संकट दूर होंगे इसलिए श्रावक पाद प्रक्षालन वाला गधोंधक लेता हैं। साधु से गृहस्थ यदि आशीर्वाद चाहता है तो वह पिच्छिका से आशीर्वाद चाहता है उक्त आश्य के उद्गार अखिल भारतीय विद्वत्परिषद के खुले अधिवेशन को संबोधित करते हुए मुनिपुंगव श्रीसुधासागर जी महाराज ने व्यक्त किए। जिनवाणी सुधा सागर ग्रन्थ का हुआ विमोचन ललितपुर से लौटकर मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि खुले अधिवेशन में आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन ज्ञानेन्द्र गदिया सूरत, डा अरूण, डॉ अशोक भारती वनारस, वृषभ प्रसाद लखनऊ, जयकुमार मुजफ्फरनगर ने किया । इस दौरान जिनवाणी सुधा सागर ग्रन्थ के तेरहवें भाग का विमोचन ज्ञानेन्द्र गदिया, सुरेन्द्र भारतीय, महासभा संयोजक विजय धुर्रा, समाज के महामंत्री डॉ अक्षय टडैया, सुधीर ममता स्पोट्र्स ने किया। इस दौरान डॉ सुरेन्द्र भारती ने अधिवेशन के संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान विद्त परिषद के नवीन अध्यक्ष अशोक भारती वनारस, महामंत्री विजय कुमार लखनऊ के साथ नवीन कार्यकारणी की घोषणा की गई। साधु की आंख अभय का प्रतीक है इस दौरान मुनि पुंगव ने कहा साधु से गृहस्थ आशीर्वाद वह भी पिच्छिका से आशीर्वाद चाहता है साधु के हाथ अभय का प्रतीक है। चोथा साधु की आँख से जीवों को देखता है इसलिए आंख से साधु देख ले तो गृहस्थ सौभाग्य मानता हैं पांचवा साधु के वाणी से गृहस्थ का नाम निकल जायें गृहस्थ अपने को धन्य मानता है। अहिंसा का मार्ग बहुत सरल है हिंसा का मार्ग बहुत कठिन है बस मन की तरंगें मार में ले बस हो गया भजन गृहस्थ मार्ग बहुत कठिन है साधु को एक चींटी को बचाने के लिए कुछ नही करना देख कर चलना है गृहस्थ को चींटी को देखता ही नही चींटी को बचाने के लिए प्रयास करना पडता। अखिल भारतीय विद्वत परिषद के खुले अधिवेशन के दौरान मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज, मुनिश्री पूज्य सागरजी, ऐलक श्री धैर्य सागरजी, क्षुल्लकश्री गंभीरसागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में देशभर से पहुंचे विद्वानों का सम्मान मुख्य अतिथि ज्ञानेन्द्र गदिया सूरत, समाज के अध्यक्ष अनिल अंचल, महामंत्री डॉ अक्षय टडैया, प्रबंधक राजेन्द्र थनवारा, संयोजक पंकज मोदी पार्षद, मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने डॉ अरुण कुमार सांगानेर, डॉ सुरेन्द्र भारती, डॉ अशोक जी वनारस, डॉ किरण प्रकाश, प्रो शुभचन्द्र मैसूर, प्रो सुदर्शन जैन भोपाल, डा अमित भोरदा, शैलेश जी जयपुर सहित अन्य सभी विद्वानों का सम्मान किया गया ।

योग पुस्तिक योग विद्या का पोस्टर विमोचन

राजस्थान तकनीकी विश्विद्यालय के कुलपति एस के सिंह, ने किया योग विद्या पुस्तिका का पोस्टर विमोचन

कोटा. शाबाश इंडिया

योग सर्टिफाइड बोर्ड, आयुष मंत्रालय भारत सरकार अधिकृत योग गुरू मनीष जैन द्वारा योग विद्या सिद्धांत, तकनीकी, एवं मार्गदर्शन पर योग पुस्तक लिखी गई है जिसका पोस्टर विमोचन प्रोफेसर एस के सिंह, कुलपति राजस्थान तकनीकी विश्विद्यालय, कोटा ने बधुवार को उनके कार्यालय में किया। कुलपति सिंह ने लेखक व योग गुरू मनीष जैन की योग पुस्तिका योग विद्या के विभिन्न आयामों को समझा और उनके योग की महत्वपूर्ण सामग्री संकल्न पर प्रसन्नता व्यक्ति की गई उन्होने अपने उद्बोधन में बताया कि पेशे से इंजिनियर मनीष जैन ने योग की हर विद्या का तकनीकी लाभ इस पुस्तक में उल्लेखित किया है। उन्होने हर योग मुद्रा से होने वाले शारारिक परिवर्तन का उल्लेख इस पुस्तक में किया है। 477 पेजों में योग की विभिन्न विद्याओं का संकल्न इस पुस्तक में है। इस पुस्तक को लेखक के पिता स्व. श्री महेश चंद जैन, की द्वितीय पुण्यतिथि पर विमोचन कराया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर ए के द्विवेदी, डीन स्टूडेंट वेलफेयर, आर टी यू कोटा, सत्येन्द्र श्रीवास्तव, संस्थापक ट्रस्टी नमिशा फाउंडेशन, एन के गुप्ता, एसोसिएट्स प्रोफेसर एक्यूप्रेशर संस्थान उपस्थित रहे। यह पुस्तक ऑन लाईन प्लेटफार्म से प्राप्त की जा सकती है। योग गुरु मनीष जैन ने योग विद्या पुस्तक के बारे में बताते हुए कहा कि यह मात्र योग पुस्तक नहीं है इस पुस्तक में योग क्रिया के साथ योग के इतिहास व विभिन्न पुराणो के आधार पर योग की उत्पति से लेकर हर सिद्धांतो की व्याख्या मौजूद है जिससे योग करने वाले व्यक्ति यह समझ सकते है कि कौन से आसान उनके लिए उपयोगी है ओर उनका लाभ किस प्रकार शरीर को मिलेगा।

भारत गौरव, स्वस्ति धाम प्रणेत्री स्वस्ति भूषण माताजी का आज (गुरुवार) होगा सिकन्दरा में भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारत गौरव स्वस्ति धाम प्रणेत्री गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ का गुरुवार,17 नवम्बर को प्रातः सिकंदरा के श्री दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश होगा।इस मौके पर जयपुर, दौसा सहित आसपास के गांवों कस्बों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण सिकन्दरा पहुंचेंगे। चातुर्मास कमेटी के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि बुधवार,16 नवम्बर को प्रातः7.00 बजे दौसा के नेप्च्यून एकेडमी स्कूल, मोदी का तिबारा से माताजी ससंघ का सिकन्दरा की ओर मंगल विहार होकर 10 किलोमीटर आगे रेटा गांव में भव्य मंगल प्रवेश हुआ जहां माताजी ससंघ के सानिध्य में धर्म सभा का आयोजन किया गया। माताजी ने अपने प्रवचन में धर्म एवं दान की महत्ता बताई। माताजी ससंघ की आहार चर्या भी रेटा में ही हुई। माताजी ससंघ के मंगल विहार में दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधांशु कासलीवाल, उपाध्यक्ष रिटायर्ड आई पी एस एस.के. जैन आदि ने शामिल होकर माताजी से आशीर्वाद प्राप्त किया।

वेद ज्ञान

जीवन में सुख को समझें...

मूल रूप से आपका अभिमान, अहंकार या घमंड ही आपके दुख का कारण है। आप स्वयं पर किसी को स्वीकार करना नहीं चाहते। लोग आपको स्वीकार करें ऐसा संभव नहीं होता। अगर आप सुख चाहते हैं, तो आपको अपने अभिमान और अहंकार से मुक्त होना होगा। उसे छोड़ना होगा। आपको दूसरे लोगों से समझौता करना होगा नहीं तो आप अकेले बुरी तरह टूटकर बिखर जाएंगे। जीना चाहते हैं, तो आपको परिवार में, समाज में, सड़कों पर, बाजारों में, सभी से समझौता करके चलना होगा। मनुष्य वही महान बनता है, जो परिस्थिति से समझौता करना जानता हो। कोई भी बड़ा व्यक्ति पैसे से बड़ा नहीं बनता अपने कुशल व्यवहार से बड़ा बनता है। आप दुखी इसलिए हैं कि संसार आपके अनुकूल नहीं है। पूरा संसार गलत है, केवल आप ठीक हो जबकि संसार कुरूप नहीं है, संसार तो फूलों से भरा हुआ है। यहां फूल खिले हैं, चिड़ियों का कलरव है, नदी झरनों का संगीत है। ऐसा संसार असुंदर कैसे बन सकता है, आपकी आंखों में दोष है। इसलिए आपको फूल दिखाई नहीं पड़ते, केवल कांटे दिख रहे हैं। दरअसल आप जो दुखी हो रहे हो, यह आपके अहंकार के कारण है। आप किसी को स्वीकार नहीं कर पा रहे हो, किसी से प्रेम नहीं कर पा रहे हो। इसलिए पहले अहंकार को छोड़ें। अहंकार के जाते ही आपका अड़ियल रवैया समाप्त हो जाएगा और आप दुख मुक्त हो जाएंगे। दरअसल आप दुख नहीं हो। आप तो परम आनंद हो सुख और शांति हो, लेकिन अहंकार के कारण अकारण दुख का कारण बन रहे हो। कई लोग कहते हैं कि मैं दुख से मुक्त होना चाहता हूं। यह ठीक है कि दुख के कारण पीड़ित हैं, लेकिन आश्चर्य है कि वे दुख से मुक्त भी होना चाहते हैं और दोनों हाथों से दुख को पकड़े हुए भी हैं। आप अहंकार को पकड़े रहना भी चाहते हैं और अहंकार के कारण उपजे दुख से मुक्त भी होना चाहते हैं। दोनों एक साथ नहीं हो सकता। आप परेशानियों से मुक्त होना चाहते हैं, तो पहले अहंकार को छोड़ें, सरल बन जाएं। आप कहते हैं कि मैं संकट में हूं, गीत कैसे गाऊं, लेकिन मैं कहता हूं कि आप गीत नहीं गाते हैं, इसलिए संकट में हैं। आपका मन खाली है।

संपादकीय

बढ़ती हिंसा और चरमराती कानून व्यवस्था

पंजाब में बढ़ती हिंसा और चरमराती कानून व्यवस्था की सुध लेने के लिए अब जाकर राज्य सरकार की नींद टूटी है। फौरी तौर पर ही सही, पहला कदम तो सरकार ने यह उठाया कि हिंसा को बढ़ावा देने वाले गीतों और हथियारों के प्रदर्शन पर रोक लगा दी। अब सार्वजनिक स्थानों पर हथियारों का प्रदर्शन नहीं किया जा सकेगा। यानी सार्वजनिक समारोह, धार्मिक स्थलों, शादियों और इसी तरह के आयोजनों में हथियारों के प्रदर्शन और इस्तेमाल पर रोक रहेगी। यानी सरकार का सारा जोर हथियारों पर रोक को लेकर है, क्योंकि राज्य में तेजी से पनप रही बंदूक संस्कृति ने सरकार की नींद उड़ा दी है। छोटे-मोटे विवादों में भी लोग आवेश में आ जाते हैं और हथियारों का इस्तेमाल करने से नहीं चूकते। ऐसे विवाद दुश्मनी में बदलते देर नहीं लगती और इसका नतीजा उसी खूनखराबे के रूप में सामने आता है जो पिछले कुछ महीनों में देखने को मिलता रहा है। हालांकि पंजाब में आपराधिक गिरोहों का इतिहास पुराना है और अब तो यह साफ हो गया है कि राज्य में जिस तरह के अपराध हो रहे हैं, उन्हें अंजाम देने वाले सरगना विदेशों में बैठे हैं। कुछ महीने पहले पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद तो कोई संदेह ही नहीं रह गया कि राज्य में अपराध किस तेजी से बढ़ रहे हैं। सरकार को लग रहा है कि हथियारों के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा कर अपराधों पर लगाम लगाई जा सकती है। इसीलिए नए हथियार जारी करने पर पाबंदी लगा दी गई है। साथ ही पुराने लाइसेंसों की हर तीन महीने में समीक्षा करने की बात कही जा रही है। हालांकि ये सब कदम ऐसे हैं जो पहले भी उठाए जा सकते थे। लेकिन मूसेवाला की हत्या के बाद भी सरकार सोती रही। इसका नतीजा यह हुआ कि पिछले दिनों दो और हत्याएं हो गईं। चार नवंबर को शिवसेना (टकसाली) के नेता सुधीर सूरी और दस नवंबर को डेरा सच्चा सौदा के अनुयायी प्रदीप सिंह को मार दिया गया। जिस तरह से बेखौफ आपराधिक तत्वों ने इन घटनाओं को अंजाम दिया, वह सरकार की कानून व्यवस्था के मुंह पर तमाचा है। क्या सरकार को यह नहीं देखना चाहिए कि हथियारों तक लोगों की पहुंच इतनी आसान कैसे होती जा रही है? आखिर राज्य पुलिस का सूचना तंत्र कर क्या रहा है? खुफिया एजंसियां क्या कर रही हैं? दूसरे राज्यों के मुकाबले पंजाब कई मायनों में कहीं ज्यादा संवेदनशील राज्य है। यह राज्य पाकिस्तान की सीमा से सटा है। सीमा पार से हथियारों और नशीली पदार्थों की तस्करी कोई छिपी बात नहीं है। अब तो पाकिस्तान की ओर से यहां ड्रोन से भी हथियार गिराने की घटनाएं आम हो गई हैं। ऐसे में कड़ी सुरक्षा की जरूरत है। वैसे पंजाब में सीमाई इलाकों में सीमा सुरक्षा बल और सेना भी तैनात रहती ही है, लेकिन राज्य पुलिस की भूमिका कहीं ज्यादा बढ़ जाती है। जाहिर है, हर स्तर पर पुलिस तंत्र को मजबूत बनाने की जरूरत है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

मधुमेह की मार

लगभग डेढ़ दशक से लगातार विश्व मधुमेह दिवस मनाया जा रहा है। पहली बार सन 1991 में संयुक्त राष्ट्र ने तय किया था कि 14 नवंबर को पूरी दुनिया मधुमेह के रोग से बचाव और उपचार को लेकर जागरूकता संबंधी बातें किया करेगी। चूंकि एक विश्व दिवस मधुमेह के नाम पर भी है, इसी से साबित होता है कि मधुमेह को एक वैश्विक समस्या मान लिया गया है। जहां तक भारत की बात है तो इस रोग की गंभीरता समझने के लिए यह आंकड़ा काफी है कि पिछले साल सितंबर से लेकर इस साल अक्तूबर तक देश में मधुमेह संबंधी सलाह लेने वालों की संख्या में काफी ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। कहने को तो कह सकते हैं कि इस रोग को लेकर जागरूकता बढ़ने की वजह से ज्यादा लोगों ने विशेषज्ञ सलाह लेना शुरू कर दिया है। लेकिन इस रिपोर्ट पर भी गौर किया जाना चाहिए कि इस साल मार्च से लेकर अब तक जिन पांच लाख छत्तीस हजार लोगों की मधुमेह जांच हुई, उनमें एक तिहाई मधुमेह रोगी निकले। जाहिर है, आमतौर पर मधुमेह की आशंका वाले लोगों ने ही जांच करवाई और उसमें हर तीसरा व्यक्ति मधुमेह से ग्रस्त निकला। यह अलग बात है कि भारत जैसे देश में कितने लोग इस रोग के शुरूआती दौर में ही जांच करवा पाते होंगे? मधुमेह एक भरापूरा रोग है और ज्यादातर रोगों का कारण भी बन जाता है। चिकित्सा विज्ञान में इसके उपचार के लिए अलग से शाखा है। दूसरे और रोगों की तरह मधुमेह के इलाज के उपायों की चर्चा सामाजिक रूप से नहीं की जा सकती। इसीलिए आमतौर पर स्वयंसेवी संस्थाएं भी इस मामले में शिविर या दूसरे आयोजन करने से बचती हैं। इससे बचाव के लिए दिनचर्या और खानपान को ठीक रखने की कितनी भी सलाह दी जाती रहे, लेकिन किसी रोग को लेकर खानपान की सलाह देने वाला काम भी चिकित्सा विज्ञान की दूसरी विशिष्ट शाखा के जिम्मे है। दरअसल यह ऐसा रोग है जो अंतस्रावी ग्रंथियों में असंतुलित स्नाव के कारण होता है, लिहाजा शौकिया या गैरप्रशिक्षित डाक्टरों, वैद्य, नीम-हकीमों से सलाह लेना या इलाज करवाना खतरे से खाली नहीं होता। और यह बात कौन नहीं जानता कि देश में स्नातक स्तर के चिकित्सकों की ही भारी कमी है। ऐसे में मधुमेह के विशेषज्ञों की पर्याप्त उपलब्धता तो बहुत दूर की बात है लेकिन चिकित्सा क्षेत्र में बढ़ते निजीकरण के दौर में आर्थिक रूप से कमजोर मरीज आसानी से विशेषज्ञ सलाह ले सके और मधुमेह के रोगी निरंतर अपनी जांच करवाते रहें, इसकी व्यवस्था बनानी ही पड़ेगी। बस सवाल यही है कि ऐसा होने में समय कितना लगेगा। इस मामले एक नई चिंता और जुड़ गई है। वह यह कि इस रोग को लेकर पच्चीस से पैंतीस साल के युवक भी चिंतित हो उठे हैं। इस रोग को लेकर सलाह लेने वाले युवकों की संख्या में छियालीस फीसद की बढ़ोतरी का आंकड़ा कम नहीं है। पैंतीस से चालीस साल की उम्र वाले लोगों ने भी तैंतीस फीसद बढ़ोतरी के साथ इस रोग के बारे में विशेषज्ञ सलाह मशविरा किया। यह कम चिंता की बात नहीं है कि नौजवान इस रोग की चपेट में तेजी से आ रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक उम्र के लिहाज से कुल मरीजों में साढे बारह फीसद मरीज चौबीस से चालीस साल के हैं। गौर किया जाना चाहिए कि मानव संसाधनों के लिहाज से इस उम्र के लोगों में मधुमेह की समस्या बढ़ना देश की आर्थिकी के सामने भी किसी बड़े जोखिम से कम नहीं है।

जीवन में दुःख कम करने हो तो इच्छाओं पर लगाओ लगामः समकितमुनिजी

संतुष्टि की सीमा तय किए बिना नहीं हो सकती सुख की प्राप्ति

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जीवन के अंदर सुखशांति का साम्राज्य लाना हो तो अतिरिक्त से मुक्त हो जाना चाहिए। अति से यदि रिक्त हो गए तो आनंदमय हो जाएंगे। जीवन की सारा परिश्रम व भागदौड़ अतिरिक्त के लिए चलती है। अतिरिक्त शौहरत, धन व जायदाद पाने के लिए भागदौड़ करते है। इस अतिरिक्त से यदि रिक्त नहीं होंगे तो ये भागदौड़ समाप्त नहीं होगी ओर जीवन का मैच नहीं जीत पाएंगे। ये विचार आगममर्मज्ञ, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने बुधवार को कोदूकोटा रोड स्थित इलेक्ट्रिक डीलर्स एसोसिएशन के फार्महाउस पर आयोजित धर्मसभा में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त तो वह होता जो कई बार जीता-जीताया मैच भी हरा देता है। जब तक अतिरिक्त से पीछा नहीं छूटेगा एवं इसके चुंगल से मुक्त नहीं होगा तब तक जितना समय आत्मकल्याण व धर्म के लिए निकालना चाहिए नहीं निकाल पाएंगे। मानव जीवन एक वरदान स्वरूप प्राप्त हुआ है तो अतिरिक्त के चुंगल से बाहर निकलो और कहीं ने कहीं अपनी सीमा तय करों। मुनिश्री ने कहा कि एक सीमा तय होगी तो आगे बढ़ने की संभावना कम होगी लेकिन सीमा तय नहीं की तो कभी संतुष्टि नहीं होगी एवं कितना भी मिले वह आपको सुख शांति नहीं दे पाएगा। संतुष्टि का भाव जीवन में आने पर अतिरिक्त से धीरे-धीरे मुक्त होना शुरू होता है। दुःखों को कम करना हो तो अतिरिक्त को कम कर दो। उन्होंने कहा कि दुःखों को कम नहीं करके इच्छाओं को कम करना है। इच्छाएं कम होगी तो दुःख स्वतः कम हो जाएंगे। आवश्यकता सीमित होने पर दुःख भी सिमटते चले जाएंगे। सुख शांति के वातावरण में जीना है तो इच्छाओं को कम करें। इच्छाओं को बढ़ाते रहने पर दुःख भी बढ़ते जाएंगे। समकितमुनिजी म.सा. ने आयोजन के लाभार्थी पीपाड़ा एवं पारख परिवार की भक्ति व सेवा भावना को सराहते हुए कहा कि नरेन्द्रजी पीपाड़ा एवं प्रकाशजी पारख ने चातुर्मास में नियमित सेवाएं देकर धर्म का खूब लाभ प्राप्त किया।

संत-साध्वी के समक्ष बैठे तो हाथ में हो मुखवस्त्रिका

प्रखर वक्ता रविन्द्रमुनिजी म.सा. ने कहा कि स्थानकवासी परम्परा की पहचान मुखवस्त्रिका है। हर श्रावक जब भी साधु-साध्वी के समक्ष बैठे तो उसके हाथ में अवश्य साफ-सुथरी मुखवस्त्रिका होनी चाहिए। उन्होंने समकितमुनिजी म.सा. से निवेदन किया कि जब भी राजस्थान को स्पर्श करते हुए गुजरे तब भीलवाड़ा को विशेष स्थान दे। आपके आगमन के समय में भी आसपास रहा तो अवश्य स्वागत के लिए मौजूद रहूंगा। धर्मसभा में जयवंतमुनिजी ने प्रेरक गीत **"जिनवाणी सुनकर अंतरमन को खोलना, क्या खोया क्या पाया है कुछ बोलना"** की प्रस्तुति दी। नीतू पारख एवं किरण सेठी ने स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। कोटड़ी श्रीसंघ के प्रवक्ता शांतिलाल पोखरना ने सभी श्रावक-श्राविकाओं से पूज्य समकितमुनिजी आदि की वाणी श्रवण करने के लिए 17 व 18 नवंबर को कोटड़ी पधारने की विनती की। धर्मसभा का काव्यमय भक्तिभाव से ओतप्रोत संचालन ललित लोढ़ा ने किया। धर्मसभा के बाद मुनिश्री का दोपहर तक प्रवास श्रावक ओमप्रकाश एवं सुशील सिसोदिया के फार्महाउस पर रहा।

मुनि श्री विमर्श सागर जी का स्वर्णिम अवतरण दिवस मनाया

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। गुरुवर श्री विमर्श सागर जी के अवतरण एवं मुनि श्री विचिन्तय सागर जी के दीक्षा दिवस के उपलक्ष में आज विमर्श जागृति मंच परिवार अशोकनगर द्वारा प्रातः त्रिकाल चोबीसी जिनालय में अभिषेक, पूजन एवं आरती की गई। इस अवसर पर आज श्वेताम्बर जैन समाज द्धारा संचालित भोजन शाला में निर्धनों को भोजन एवं मिष्ठान भी वितरित किया गया । गुरुदेव के अवतरण के 50 वर्ष हो गए है आज

स्वर्णिम विमर्शोत्सव का भव्य त्रि दिवसीय समारोह एटा में गुरुदेव ससंघ के सानिध्य में मनाया जा रहा है। इसमें रविवार को 1008 भक्तों ने इंद्र इंद्राणी बनकर भगवान शांतिनाथ की दिव्य अर्चना की सोमवार को आचार्य संघ का भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह हुआ मंगलवार को मुख्य कार्यक्रम गरिमामय रूप से मनाया गया। उप्र अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अशफाक सिद्दीक ,पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य झांसी,सांसद सहित कई राजनेताओं ने समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम में विमर्श जागृति मंच के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुभाष जैन कैंची,शाखा अध्यक्ष अनिल भारत, कार्याध्यक्ष विशाल बाँझल ,मंत्री प्रमोद मोहरी,संगठन मंत्री रिंकू भारत ,राजकुमार, अतुल बंसल,प्रमोद छाया,मृदुल गोलु,इंजी. अनिल जैन, कोमलसिंह, , चिंतामणि, संतोष,अनूप बाबू, चंद्रेश, महिला शाखा अध्यक्ष प्रीति मोहरी,मधुलिका अरिहंत,रेशु भारत,तनु, सृष्टि सहित 21 श्रद्धालुओ ने एटा जाकर सहभागिता कर पुण्यार्जन किया एवं गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरुवर नेअपने आशीर्वचन में सभी लोंगो को एकता के साथ रहने एवं परस्पर सहयोग करने का निर्देश दिया।

प्राकृतिक खेती के लिए किसानों का चयन

उदयपुर. शाबाश इंडिया। विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र, बडगांव, उदयपुर से डॉ. प्रफुल्ल चन्द्र भटनागर, डॉ. भगवत सिंह चौहान, संजय धाकड़ ने ''केवीके के माध्यम से प्राकृतिक खेती का विस्तार'' परियोजना के अन्तर्गत झाड़ोल क्षेत्र के तुरगढ़ गाँव में किसानों के साथ प्राकृतिक खेती पर चर्चा की और प्राकृतिक खेती के प्रदर्शन हेतु आठ किसानों का चयन किया एवं मिट्टी के जाँच हेतु किसानों के खेत की मिट्टी के नमूने लिए। इस अवसर पर संजय धाकड़ ने बताया कि प्राकृतिक खेती का मुख्य आधार देशी गाय है। प्राकृतिक खेती कृषि की प्राचीन पद्धति है और वर्तमान में समय की मांग भी है। यह भूमि के प्राकृतिक स्वरूप को बनाए रखती है। प्राकृतिक खेती में रासायनिक कीटनाशक का उपयोग नहीं किया जाता है। इस प्रकार की खेती में जो तत्व प्रकृति में पाए जाते है, उन्हीं को खेती में कीटनाशक के रूप में काम में लिया जाता है। किसानों की पैदावार का आधा हिस्सा उनके उर्वरक और कीटनाशक में ही चला जाता है। यदि किसान खेती में अधिक मुनाफा या फायदा कमाना चाहता है तो उसे प्राकृतिक खेती की तरफ अग्रसर होना चाहिए। डॉ. भगवत सिंह ने चयनित आठ किसानों हीरालाल, वजाराम, देवीलाल दीताराम, नक्का लाल एवं पप्पू लाल तुरगढ़ गांव व श्रीमती सुरता एवं अम्बालाल ढाला गांव को प्रदर्शन वाले खेत में रासायनिक खाद एवं रासायनिक कीटनाशक के उपयोग नहीं करने की शपथ दिलवाई ।

पुलिस आयुक्त और उपायुक्त को दिया ज्ञापन

जैन मंदिरों में बढ़ती चोरियों पर कार्यवाही की मांग को लेकर ज्ञापन

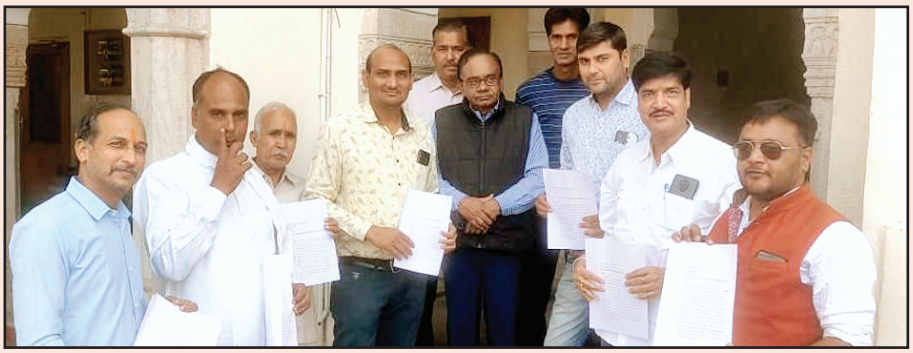

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजधानी के मानसरोवर थाना इलाके में स्थित वर्धमान सरोवर कॉलोनी के जैन मंदिर में तीन दिनों में दो बार चोरी की वारदात सहित जगतपुरा, गलतागेट, बजाज नगर एवं मानसरोवर इलाके के ही मंगल विहार और केसर चौराहे जैन मंदिरों में हुई चोरी की वारदातों को लेकर बुधवार को जैन समाज के एक प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री आवास पर जाकर ज्ञापन दिया साथ पुलिस उपायुक्त अजयपालसिंह लाम्बा से मुलाकात कर ज्ञापन सौपकर उचित कार्यवाही की मांग के साथ-साथ रात्रि में मंदिरों की सुरक्षा को लेकर रात्रि 9 बजे से सुबह 6 बजे तक गस्त बढ़ाने की मांग की। अखिल भारतीय दिगम्बर जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया कि बुधवार को विभिन्न जैन मंदिरों के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम एक सामूहिक ज्ञापन तैयार किया। जिसमें चोरी के वारदातों पर कार्यवाही करने सहित मंदिरों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की, इस दौरान मुख्यमंत्री आवास पर तैनात अधिकारी दलपतसिंह सांखला ने तत्काल पुलिस उपायुक्त अजयपालसिंह लाम्बा से वार्ता कर प्रतिनिधि मंडल को उपायुक्त से मुलाकात कर जानकारी देने की बात कही, जिसके बाद प्रतिनिधि मंडल कमिशनरेट ऑफिस पहुंचकर पुलिस उपायुक्त से मुलाकात की, जिस पर लाम्बा ने तत्काल कार्यवाही करते हुए मंदिरों में हुई चोरी की वारदातों पर सात दिनों में जांच कर रिपोर्ट देने सहित प्रतिनिधि मंडल को सात दिनों में उचित कार्यवाही का आस्वासन दिया। बुधवार को गए प्रतिनिधि मंडल में वर्धमान सरोवर मंदिर समिति ट्रस्टी गौतम जैन, वर्धमान सरोवर विकास समिति सचिव एवं मंदिर व्यवस्थापक सुनील सौगानी, पूर्व डीजीपी ऑफिस ऑफिसर कमलेश जैन, जैन कुमार जैन, अखिल भारतीय दिगम्बर जैन युवा एकता संघ प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद बाकलीवाल, जयपुर जिला अध्यक्ष एवं जगतपुरा जैन मंदिर व्यवस्थापक एडवोकेट अभिषेक सांघी, विनोद बड़जात्या, रवि रांवका, हनुमान गंगवाल, सुनील जैन सहित अन्य लोग शामिल रहे।

इंडियन ऑर्थोडॉक्स चर्च के सुप्रीम हेड सेंट ग्रिगोरियस सी.सै. स्कूल के वार्षिकोत्सव में शिरकत करेंगे

उदयपुर. शाबाश इंडिया

भारत में ऑर्थोडॉक्स चर्च (मलंकारा ऑर्थोडॉक्स सीरियन चर्च, जिसे इंडियन ऑर्थोडॉक्स चर्च के नाम से भी जाना जाता है) के वर्तमान सुप्रीम हैड 'परम पावन' मोरान मार बेसलियोस मार्थोमा मैथ्यूज तृतीय 19 नवम्बर को उदयपुर आएंगे। इस दौरान वे सेंट ग्रेगोरियस सी.सै. स्कूल में आयोजित वार्षिक उत्सव 'क्रिशेन्डो' में उपस्थित रहेंगे। उदयपुर ओथोडॉक्स चर्च सोसायटी सचिव जुनेश थॉमस ने बुधवार को आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि इस वार्षिक उत्सव में 1500 से अधिक बच्चे रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे। जिसकी तैयारियां जोर शोर से की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस अकादमिक सत्र में शहर के सेंट ग्रिगोरियस स्कूल की ओर से 120 से अधिक निर्धन बच्चों को दस लाख रुपए की सहायता अब तक की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि सोसाइटी का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों का संचालन, नियंत्रण और उच्च

शिक्षा प्राप्ति के क्षेत्र में आवश्यक एवं अनुकूल सभी कार्य करना है एवं भारत में कहीं भी अनाथालयों, धर्मार्थ संस्थानों, वृद्धाश्रमों, चिकित्सा सहायता एवं अनुसंधान केंद्रों आदि की स्थापना एवं तदनुसार आवश्यक सुविधाएँ जुटाना, सुचारू प्रबंधन करना भी है। इस अवसर पर संत ग्रिगोरियस ऑर्थोडॉक्स चर्च सोसाइटी चेयरमैन फादर जोस चेम्मण, फादर रिजो राजन कोशी, वाइस चेयरमैन मोन्टी वर्गिस, ट्रस्टी बाबू जॉन, प्रिंसिपल प्रीति माथुर, वाइस प्रिंसिपल शुभा जोस भी मौजूद थे।

रिपोर्ट/फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइल:9829050939

विधवा महिला की बालिका के विवाह में सहयोग देकर सम्बल प्रदान किया

महा समिति ने अब तक 93 बालिकाओं के विवाह में किया सहयोग

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महासमिति एवं श्री दिगंबर जैन महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा बुधवार, 16 नवम्बर को दोपहर 12.45 बजे पुष्कर की रहने वाली विधवा महिला की सुपुत्री जिसका विवाह आगामी दिनों में होने जा रहा है के लिए विवाह में कार्य में एवम विवाह उपरांत गृहस्थ जीवन के कार्य में आने वाली सभी प्रकार की सामग्री देकर सहयोग किया गया। महामंत्री कमल गंगवाल ने बताया कि समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के निवास स्थान पर संपन्न हुए सेवाकार्य में समाजसेवी राकेश पालीवाल, कमलेश पालीवाल, समिति अध्यक्ष अतुल मधु पाटनी, पदमचंद जैन खटोड़, उद्योगपति ओम प्रकाश शर्मा, सरावगी मोहल्ला इकाई की सदस्याओं आदि के सहयोग से 15 साड़िया, तीन बेस, सलवार सूट, चांदी के आइटम, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, सभी प्रकार के बर्तन, सेलो के आइटम, परिवारजनों के कपड़े, स्वेटर, कार्डिगन, सजावट का सामान, गैस, कुकर, बेडशीट्स, शाल, बाथरूम सेट, ओवन, मिक्सी, प्रेस, पंखा, चार कुर्सियां, चौकी, घड़ा, पानी की टंकी सहित अन्य कई प्रकार की सेवा प्रदान की गई । साथ ही स्वरोजगार हेतु सिलाई मशीन भी भेंट की गई। समिति अध्यक्ष अतुल पाटनी ने बताया कि एनिमल लवर्स मंजू शर्मा ने जरूरतमंद परिवार के बारे में बताया कि अपने पति को बीमारी के कारण खो चुकी माता ने विपरीत परिस्थितियों में मेहनत मजदूरी करके तीन बच्चो को पाल पोस कर पढ़ाया लिखाया एवम बड़ा किया एवम बालिका के विवाह के समय असहजता महसूस की एवम समिति अध्यक्ष अतुल पाटनी से सहयोग की अपील की जिसे आज सहयोग प्रदान किया गया।

महानगर ग्रुप की सम्मेद शिखर यात्रा रवाना

180 सदस्य 16 से 20 नवम्बर तक प्राप्त करेंगे पुण्य लाभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप महानगर का 180 सदस्यों का दल चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुआ। यह जानकारी देते हुए ग्रुप के अध्यक्ष संजय जैन और सचिव अनुज जैन ने बताया कि नॉर्दन रीजन के चेयरमैन इलेक्ट महेंद्र सिंघवी , फेडरेशन सचिव चंद्रशेखर जैन और महानगर के संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप जैन ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। मुख्य संयोजक दीपेश छाबड़ा और सिद्दार्थ पंड्या के अनुसार सभी यात्री 18 नवम्बर को पहाड़ की वंदना करेंगे और 19 नवम्बर को तलहटी के सभी मंदिरों के दर्शन कर मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज व शिखर जी मे विराजमान अन्य मुनि आर्यिका के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। यात्री 20 नवंबर को वापस जयपुर आयेंगे। ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष रवि प्रकाश जैन और पीआरओ नॉर्दन रीजन डॉ राजीव जैन समेत ग्रुप के वरिष्ठ पदाधिकारी भी दल के साथ शिखर जी की वंदना करेंगे। यात्रा के लिए सुनील गंगवाल, नरेंद्र जैन, पंकज जैन, विनीत जैन , अमित आधिका, पुखराज जैन और संदीप जैन को संयोजक बनाया गया है।

ज्ञानतीर्थ पर ज्ञानसागर स्मृति दिवस एवं पिच्छिका परिवर्तन समारोह सम्पन्न

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। पूज्य गुरुदेव सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज का द्वितीय स्मृति दिवस 15 नबम्बर को ज्ञानतीर्थ मुरेना में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। ज्ञानतीर्थ क्षेत्र पर विराजमान परम विदुषी ब्रह्मचारिणी बहिन अनीता दीदी ने जानकारी देते हुए बताया कि ज्ञानतीर्थ पर विराजमान आर्यिका सुन्दनमति माताजी एवं क्षुल्लिका अक्षतमति माताजी के पावन सान्निध्य में परम पूज्य गुरुदेव सराकोद्धारक षष्ठ पट्टाचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज पूज्य गुरुदेव की स्मृति को अविस्मरणीय बनाये रखने के लिए गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार 15 नबम्बर को ज्ञानतीर्थ मुरेना में किया गया । द्वितीय स्मृति दिवस के पावन अवसर पर गुरुचरणों का पादप्रक्षालन करने का सौभाग्य श राजेश , बबलू जैन (हलुआ वाले) ऋषभ विहार दिल्ली, सुकुमाल जैन परिवार दिल्ली, एवं महाआरती करने का सौभाग्य ब्रजमोहन जैन नदबई को प्राप्त हुआ।

आचार्य नवीन नंदी गुरुदेव का मंगल कलश निष्ठापन संपन्न

हुआ भव्य पिच्छिका परिवर्तन एवं कलश वितरण

दहमीकला, बगरु. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य नवीन नंदी गुरुदेव का भव्य एवं मंगल चातुर्मास निष्ठापन जयपुर शहर के पास मणिपाल यूनिवर्सिटी के पास स्थित प्राचीन ऋषभदेव दिगंबर जैन मंदिर, दहमीकला में हुआ। अध्यक्ष कुलदीप चौधरी व मंत्री प्रमोद बाकलीवाल ने बताया प्रातः 9.00 अभिषेक शांति धारा के बाद कलश निष्ठापन एवं पिच्छीका परिवर्तन महोत्सव एवं कलश का वितरण आचार्य श्री द्वारा किया गया। संगठन मंत्री गौरव जैन व अमित जैन ने बताया समारोह के अंतर्गत चित्र अनावरण श्रेष्ठी कैलाश, रमेश, कमल , मदनलाल, महेश , ज्ञान जी ने किया। दीप प्रज्ज्वलन बाबूलाल ईटुण्डा, अभिषेक जैन बिट्टो, कुलदीप छाबड़ा , रवि जैन,राकेश जैन ने किया । मंगलाचरण डा पंडित विमल कुमार जैन, गुरुदेव के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य कुलदीप मधु चौधरी परिवार बगरू को मिला। शास्त्र भेंट,शांति देवी, महावीर, कैलाश, दिनेश, कमलेश अजराजपुरावालों ने किया। जिसके पश्चात आचार्य श्री का चातुर्मास निष्ठापन एवं पिच्छीका परिवर्तन का कार्यक्रम हुआ ।जिसमे पिच्छीका भेट करने का सौभाग्य प्रताप नगर के समाज सेवी दुर्गा लाल,सुरजित, हेमंत , दिनेश जितेंद्र जैन को प्राप्त हुआ और कमंडल भेंट का सौभाग्य मुनि भक्त धर्मचंद उषा , गौरव, शुभी कोटिया परिवार देव नगर को मिला। तत्पश्चात कलश वितरण संपन्न हुआ। जिसमें आचार्य श्री ने चतुर्मास के कलश प्रदान किये। कार्यक्रम मे साजों से गुरुपूजन बाहर से आये मानसरोवर, प्रताप नगर, अजराजपुरा, गुढा के भक्तों ने किया। आचार्य श्री ने कहा नये मंदिरों को बनाने से ज्यादा पुण्य का संचय पुराने मंदिरों के जिरनौद्धार से होता है। आज समाज में धर्म के संरक्षण के लिए युवाओं को आगे आना होगा।

षष्टम पुण्यतिथि

स्व. श्री मनोज (सोनू) छाबड़ा

की छठी पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित करते है।

: श्रद्धावनत :

गुणमाला देवी (माता), विनोद (मोनू)-रविना छाबड़ा (भ्राता-भ्रातावधू), अरायना (भतीजी)

पदम चन्द (चाचा), सुमित (भाई), संगीता-निर्मल जी रारा (बहन-बहनोई), संयम, हर्षित (भान्जे), कुसुम ठोलिया (मोसी)

: ननिहाल पक्ष :

रतनलता, हीरामनी, हेमा, भागचन्द, दिलीप, प्रदीप, दीपक, मुकेश, गौरव, वैभव लुहाडिया नरैना वाले

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन द्वारा सेवा सप्ताह 14 नवम्बर से 20 नवम्बर का भव्य आयोजन

लाखों रुपये की सहायता जरुरतमंदो को उपलब्ध कराई

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन द्वारा अपना सेवा सप्ताह 14 नवम्बर से 20 नवम्बर तब मनाया जा रहा हैं जिसका भव्य आगाज 14 नवम्बर कों बाल दिवस के दिन किया गया। क्लब अध्यक्ष रवींद्र नाथ ने बताया की सेवा सप्ताह का पहला दिन 14 नवम्बर को दिशा फाउण्डेशन, निर्माण नगर में मनाया गया। यह संस्था ऐसे बच्चों की देखभाल करती है एवं शिक्षा प्रदान करती है जो कि असाधारण प्रतिभा के धनी होते हुये भी हम लोगों की तरह सामान्य जीवन व्यतीत नहीं कर रहे हैं। सेवा सप्ताह के चेयरमैन प्रमोद जैन ने बताया कि दिशा संस्थान को करीब रुपए 2.55 लाख की सहायता की गई। सेवा सप्ताह के कॉर्डिनेटर दिनेश बज ने बताया की सेवा सप्ताह के दूसरे दिन 15 नवम्बर को क्लब द्वारा सेवा कार्य राजस्थान नेत्रहीन कल्याण संस्थान गणगौरी बाजार में किया गया। क्लब के सदस्यों ने नेत्रहीन लोगों के जीवन से जुड़ी समस्याओं के बारे में जाना और जाना कि बिना आंखों के कैसे यह लोग अपना जीवन व्यतीत करते हैं। क्लब द्वारा

संस्थान को करीब रुपए 3.00 लाख की सहायता की गई। क्लब सचिव बी पी मुंद्रा ने

बताया की रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के सेवा सप्ताह के तीसरे दिन 16 नवम्बर को सेवा कार्य श्री भगवान महावीर कल्याण सहायता समिति एवं राजस्थान जनमंच पक्षी चिकित्सालय में किया गया। क्लब के करीब 125 सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया एवं जाना कि कैसे विकलांगता जैसी समस्या को दूर करने के लिये यह संस्थान पिछले कई वर्षों से कार्यरत है एवं उसकी मदद से लाखों लोगों को विकलांगता की समस्या से निजात मिली और वह अब एक सामान्य जीवन जी रहे हैं। साथ ही जनमंच पक्षी चिकित्सालय में जाकर देखा की हमारी तरह ही जब पक्षी बीमार होते हैं, दुर्घटना के शिकार होते हैं तो उन्हें कैसे स्वस्थ किया जाता है। क्लब के चार्टर अध्यक्ष सुधीर जैन ने बताया की क्लब द्वारा श्री भगवान महावीर कल्याण सहायता समिति में 3.25 लाख रुपये की सहायता प्रदान की जिसके माध्यम से 50 विकलांगों के लिये जयपुर फुट लगाने में सहायता मिलेगी साथ ही पक्षी चिकित्सालय में पक्षियों के देखाभाल के लिये 50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर क्लब कोषाध्यक्ष नरेंद्र जैन ने सभी साथियों का आभार व्यक्त किया

BJS
Bharatiya Jain Sanghatan
PINKCITYJAIPUR
Shri Vijayraj Kothari Charitable Trust
भारतीय जैन संगठना, श्रीराम आशापूरन चैरिटेबल ट्रस्ट
एवं श्री विजयराज कोठारी चैरिटेबल ट्रस्ट
के संयुक्त तत्वावधान में
श्री नवीन जी भंडारी
के जन्मदिवस के अवसर पर
रक्तदान शिविर
रविवार दिनांक 20 नवम्बर 2022
समय: प्रात: 9:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक
स्थान :
''तलवारिया मैरिज गार्डन'' 80 फीट रोड, महेश नगर, जयपुर
रजिस्ट्रेशन हेतु सम्पर्क सूत्र :
प्रदीप चौरड़िया 9414781432
सुनील कोठारी 9314933516
यश बापना 7742565656
बसन्त जैन 8114417253
निवेदक :
शरद कांकरिया अध्यक्ष
आतिश लोढ़ा सचिव
बी. जे. एस. पिंकसिटी जयपुर
रक्तदान महादान

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com